- समाज सेवा का अनुभव -

जय हिंद!

समाज में निस्वार्थ भाव से सेवा करने का अपना एक अलग ही आनंद होता हैं। सेवा मानव की ऐसी सर्वोत्तम भावना है जो मानव को सच्चा मानव बनाती हैं। एक बार सेवा करने की आदत पड़ जाती है तो फिर अपने समाज में सेवा करके ही संतुष्टी मिलती हैं। हमने बचपन से ही सुना है कि सेवा सभी धर्मों का मूलमंत्र हैं।

हम सभी महान कार्य नहीं कर सकते है परंतु निस्वार्थ सेवा कर अपने समाज व परिवार का नाम जरूर रोशन कर सकते हैं।

हम सभी एन•सी•सी• कैडेटस् रक्तदान शिविरों का आयोजन कर जरूरतमंद लोगों की सहायता कर सकते हैं।

हमें एन•सी•सी• में प्रवेश करने के बाद सिखाया जाता है कि हम अपने समाज व अपने देश के लिए एक सेवा भाव से अपना-अपना सहयोग किस प्रकार दे सकते हैं। सेवा भाव के जरिए हम समाज को नयी दिशा दे सकते हैं। हम मानवता के प्रति प्रेम को किसी देश, जाति या धर्म की संकुचित परिधि में नहीं बाँट सकते हैं। हम सभी कैडेट्स को भारत देश के नागरिक होने के नाते अपना जीवन समाज हित में आगे बढ़ाना चाहिए। हम सभी को विनम्रतापूर्वक जीवन यापन करना चाहिए। निस्वार्थ भाव रखते हुए समाज हित में लगातार कार्य करना ही मानव जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि हैं।

सेवा भाव का असल उद्देश्य समाज के दबे-कुचले लोगों की मदद करना हैं। इस स्थिति में हम सभी की एक छोटी सी पहल भी बड़े समाजिक परिवर्तन का प्रतिरूप बनकर उभर सकती हैं।

जब हम एक-दूसरे के प्रति सेवा भाव रखते है तब आपसी द्वेष की भावना स्वतः समाप्त हो जाती है तथा हम सभी आपस में मिलकर कामयाबी के पथ पर अग्रसर होते हैं। समाज सेवा से बड़ा परोपकार इस विश्व में नहीं है। समाज सेवा केवल मनुष्यों तक ही सीमित न रखते हुए हमें पेड़-पौधों व जंतुओ के लिए भी सेवा भाव रखते हुए इसे उच्च स्तर पर उपयोगी बना सकते हैं। गुलाब केवल अपनी खुशबू बिखेरता है। उसकी खुशबू ही उसकी निस्वार्थ सेवा है, उसी प्रकार हमें अपने समाज को अपनी निस्वार्थ सेवा से अधिक शीर्ष तक पहुँचाने में अपनी-अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

UK/SD/19A/69271
कैडेट दीपाँशु भट्ट
81 यू•के•बी•एन•एन•सी•सी•
रा•स्ना•म• बागेश्वर।